B.Com - I

By Dr. Manoj Kumar

समंकों का संकलन
(Collection of Data)

सांख्यिकीय अनुसंधान के उपरान्त अगला कदम समंको का संकलन है। चूँकि पूरी अनुसंधान प्रक्रिया समंको पर निर्भर करती है इसलिये समंको को सांख्यिकीय अनुसंधान के संम्पूर्ण ढांचे का आधार स्तम्भ माना गया है। अतः यदि एकत्रित समंक अशुद्ध और अपर्याप्त होते हैं, तो उनसे प्राप्त निष्कर्ष भी भ्रमात्मक होंगे। यहाँ यह कहना अनावश्यक न होगा कि समंको के संग्रहण की प्रक्रिया मे सावधानी और सतर्कता बहुत आवश्यक है।

- (A) प्राथमिक समंक Primary Data
- (B) द्वितीयक समंक (Secondary Data)

(A) प्राथमिक समंक (Primary Data)

वे समंक प्राथमिक होते हैं जिन्हें अनुसंधान कर्ता पहली बार प्रारम्भ से अन्ततक बिल्कुल नये सिरे से एकत्रित करता है। इसमे सारी योजना नवीन तथा नवनिर्मित होती है।

Scanned with CamScanner

इसे मौलिक अनुसंधान भी कहते हैं। प्रथमबार एकत्रित होने के कारण इन्हें प्राथमिक समंक कहते हैं।

(B) **द्वितीयक समंक** (Secondary Data)

ये वे समंक होते हैं जो पहले से ही अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं द्वारा एकत्रित एवं प्रकाशित किये जा चुके हैं। अनुसंधानकर्ता तो केवल मात्र इनका प्रयोग करता है।

प्राथमिक और द्वितीयक संमको को और अधिक स्पष्ट करने के लिये उदाहरण के तौर पर कहा जा सकता है कि भारत के थोक मूल्य सूचकांक (Wholesale Price Index Number) की रचना के लिये एकत्रित किये गये समंक प्राथमिक होते हैं परन्तु ~~जब~~ उन संमको का प्रयोग सामान्य व्यक्तियों द्वारा किया जाता है तो वही मूल्य समंक उनके लिये द्वितीयक हो जायेंगे।

प्राथमिक समंको का संकलन (Collection of Primary Data)

प्राथमिक संमको का संकलन निम्नलिखित रीतियों द्वारा किया जा सकता है। ये रीतियाँ प्राथमिक रीतियाँ (Primary Methods) कहलाती हैं।

① प्रत्यक्ष व्यक्तिगत अनुसंधान (Direct Personal Investigation)

② अप्रत्यक्ष मौखिक अनुसंधान (Indirect Oral Investigation)

③ सम्वाददाताओं से सूचना प्राप्ति (Information through Correspondents)

④ सूचकों द्वारा प्रश्नावली भरवाकर सूचना प्राप्त करना
(Information Through Questionnaires to be Filled by Informants)

द्वितीयक समंकों का संकलन
(Collection of Secondary Data)

A - प्रकाशित स्त्रोत (Published Source)

(I) अन्तर्राष्ट्रीय प्रकाशन (International Publication)

(II) सरकारी प्रकाशन Government Publication

(III) अर्द्ध सरकारी प्रकाशन (semi-government Publication)

(IV) व्यापारिक संस्थाओं एवं परिषदों द्वारा प्रकाशन (Publications by commercial institutions and Forums)

B - अप्रकाशित स्त्रोत (UnPublished Sources)

ये अनुसंधानकर्ता अपने उद्देश्य के लिये समंकों का संकलन तो करते हैं परन्तु किन्हीं कारणवश उनका प्रकाशन नहीं हो पाता

Scanned with CamScanner

(V) अनुसंधान संस्थाओं के प्रकाशन
(Publication by Research Institutes)

(VI) पत्र-पत्रिकायें
(Papers and Periodicals)

(VII) समितियो तथा आयोगों के प्रकाशन
(Publication by Committees and Commissions)

(VIII) व्यक्तिगत शोधकर्ताओं के प्रकाशन
(Publications by Individual Researchers)

Scanned with CamScanner